**बदलता लखनऊ** | **एलडीए ने विकसित करने के लिए टेंडर जारी किया, 1582 एकड़ में विकसित होगा**

# आईटी सिटी का काम अप्रैल से शुरू हो जाएगा

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। सुल्तानपुर रोड पर आईटी सिटी को विकसित करने का काम अप्रैल महीने से शुरू हो जाएगा। एलडीए ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है। टेंडर भरने की अंतिम तिथि पांच मार्च है। उसके बाद अन्य औपचारिकताएं पूरी कर के अप्रैल महीने से काम शुरू कर दिया जाएगा। एलडीए ने आईटी सिटी और वेलनेस सिटी विकसित करने के लिए सुलतानपुर रोड पर दस गांवों की जमीन की खरीद-फरोख्त पर पहले से ही रोक लगा रखी है।

आईटी सिटी में 360 एकड़ का औद्योगिक इंडस्ट्रियल क्षेत्र के लिए रहेगा, जिससे की देश के बड़े-बड़े औद्योगित घराने यहां पर उद्योग लगाने के लिए आकर्षित हो सकें। एलडीए का प्रयास है कि आईटी सिटी को धरातल पर शीघ्र से शीघ्र उतारा जाए, जिससे कि इस क्षेत्र में लखनऊ की अलग पहचान बन सके। माना जा रहा है कि आईटी सिटी विकसित होने में दो से तीन साल लग जाएंगे।

**04** सौ एकड़ जमीन औद्योगिक क्षेत्र के लिए आरक्षित रहेगी

> आईटी सिटी बनाने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (टेंडर) जारी कर दिया गया है। पांच मार्च अंतिम तिथि है। साथ ही एलडीए की वेबसाइट पर भी डाल दिया गया है, जिससे कि देश भर के इच्छुक डेवलपर संपर्क कर सकें।
>
> **ज्ञानेंद्र वर्मा**, अपर सचिव, एलडीए

## इन गांवों में जमीन बेचने पर लगी है रोक

एलडीए ने आईटी और वेलनेस सिटी निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण के क्रम में सुल्तानपुर रोड पर 10 गांवों की जमीनों की खरीद और बिक्री पर रोक लगाते हुए वहां चेतावनी बोर्ड भी लगा दिया है। आईटी और वेलनेस सिटी योजना के तहत मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के गांव रकीबाबाद, सोनई, कजेहरा, भटवारा, मोहारीखुर्द, सिकंदरपुर अमोलिया बक्कास, पहाड़नगर टिकरिया, सिद्धपुरा, परेहटा और खुजौली में भूमि अर्जन (जमीन अधिग्रहण) की कार्रवाई की जा रही है।